क्या रात को पेड़ के नीचे सोना ठीक है?

5

यह एक आम गलतफहमी है कि रात के समय पेड़ के नीचे सोना घातक है। घातक इस मायने में कि पेड़ रात के समय कार्बन डाइऑक्साइड छोडते हैं जो इन्सानों के लिए खतरनाक है।

श्वसन को लेकर हमारी समझ पिछले दो सौ साल में बेहतर हुई है। पेड़-पौधों में साथ-साथ चलने वाली प्रकाश संश्लेषण और श्वसन क्रिया के कारण यह भ्रम पैदा होता है कि पौधे दिन में ऑक्सीजन और रात में कार्बन डाइऑक्साइड छोड़ते हैं।

वैज्ञानिक तथ्यों और तर्कों की रोशनी में देखा जाए तो समझ में आएगा कि उपरोक्त मान्यता सिर्फ और सिर्फ गलतफहमी है।

साओरा संस्कृतिः 'माना-कि' विमर्श और...

23

उड़ीसा की साओरा जनजाति का एथ्नोग्राफिक अध्ययन इस जनजाति के अनेक पक्षों की ओर ध्यान खींचता है। मसलन, साओरा लोग जो साओरा भाषा बोलते हैं वह उड़िया से काफी अलग है। साओरा लोगों की अपनी अंक प्रणाली है। हालाँकि उनके पास इनके संकेत नहीं हैं लेकिन वे शून्य जैसी संख्या का इस्तेमाल करते हैं और अनन्त की अवधारणा भी इस्तेमाल करते हैं।

इस एथ्नोग्राफिक अध्ययन में प्रमुख रूप से दो साओरा गाँवों में दैनिक कार्यों में गणितीय अवधारणाओं के उपयोग की जाँच की गई है। इस जाँच के दौरान बच्चों और वयस्कों से की बातचीत से मालूम होता है कि साओरा अमूर्त गणितीय सवालों के बनिस्बत उन गणितीय सवालों में ज़्यादा रुचि लेते हैं जिसमें स्थानीय घटनाओं-तथ्यों का समावेश होता है। इस अध्ययन में मिनती पाण्डा ने और किन प्रमुख बातों को रेखांकित किया है पढ़िए इस लेख में।

शैक्षणिक संदर्भ

अंक-32 (मूल अंक-89), नवम्बर-दिसम्बर 2013

इस अंक में

4 | **आपने लिखा**

5 | **क्या रात को पेड़ के नीचे सोना ठीक है?**
सुशील जोशी

11 | **'मोड़ने' का अनुभव**
कैरन हैडॉक

20 | **बारिश के बाद माटी की खुशबू**
सवालीराम

23 | **साओरा संस्कृतिः 'माना-कि' विमर्श...**
मिनती पाण्डा

35 | **बच्चों के नाम भी हैं रोचक टीएलएम**
महेश झरबड़े

44 | **आसान तरीकों का रसायन विज्ञान**
ऊषा मुकुन्दा

51 | **व्यावहारिक ज्ञान तथा आम समझ से...**
गीता दुरईराजन

57 | **अर्थशास्त्र का मर्म क्या है?**
अमित भादुड़ी

71 | **जंक्शन**
गजानन माधव मुक्तिबोध